चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	28-2-26	04	1-5

जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए फसलों की सहनशील किस्में करनी होंगी विकसित

एचएयू में स्पार्क परियोजना के अंतर्गत आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कुलपति प्रो. कांबोज बोले

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में स्पार्क परियोजना के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुक्रवार को समापन हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज वैश्विक चुनौती बन चुका है।

प्रो. कांबोज ने कहा कि बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और कीट-रोग जैसी समस्याएं कृषि व्यवस्था को प्रभावित कर रही हैं। ऐसी परिस्थितियों में जलवायु-सहनशील फसल किस्मों का विकास अत्यंत आवश्यक हो गया है।

प्रो. कांबोज ने कहा कि मोटा अनाज, दलहन और पोषक तत्वों से भरपूर फसलें न केवल पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक हैं। इन फसलों का प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन कृषि आधारित उद्योगों को नई ऊर्जा प्रदान करता है। आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी, उन्नत बीज विकास और वैज्ञानिक अनुसंधान इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

सम्मेलन में विजेताओं को सम्मानित करते प्रो. बलदेव राज कांबोज। स्रोत : संस्थान

सम्मेलन के तकनीकी सत्र के दौरान विभिन्न प्रख्यात वैज्ञानिकों ने जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं से निपटने के लिए अपने सुझाव और व्याख्यान प्रस्तुत किए। जैव रसायन विभाग की अध्यक्ष डॉ. जयंती टोकस ने बताया कि सम्मेलन में 600 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें देश-विदेश के वैज्ञानिकों ने 32 लीड पेपर प्रस्तुत किए।

मौखिक प्रस्तुति में पुरस्कार

थीम 1: दिलबाग प्रथम, कनिका द्वितीय
थीम 2(अ): प्रंजय प्रथम, मंजीत द्वितीय
थीम 2(ब): रवि प्रथम, सन्नी द्वितीय
थीम 3: पारुल प्रथम, लविना द्वितीय
थीम 4: विशाल प्रथम, सविता व प्रदिप्तो द्वितीय
थीम 5: वरुण प्रथम, पवन व शालिनी द्वितीय
थीम 6: राजा प्रथम, स्वाति द्वितीय
थीम 7: सृष्टि प्रथम, शुभम द्वितीय
थीम 8: हरमनजीत प्रथम, अश्विनी द्वितीय
थीम 9(अ): अमीषा प्रथम, कविता द्वितीय
थीम 9(ब): जानकी प्रथम, मनीषा द्वितीय
थीम 10: काजल प्रथम, यशवंत द्वितीय
थीम 11 : सादिल प्रथम, रुशाली द्वितीय

शोधार्थियों ने 139 मौखिक प्रस्तुति दी और 384 से अधिक पोस्टर प्रस्तुत किए गए। कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुनीता यादव ने सम्मेलन के 11 सत्रों की तकनीकी रिपोर्ट प्रस्तुत की। मंच का संचालन डॉ. कनिका ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	28-2-26	03	1-4

जलवायु परिवर्तन बनी चुनौती : बलदेव

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि में सम्मेलन आयोजित
- पोषक तत्वों से भरपूर फसल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. बलदेव राज कम्बोज • जागरण

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में डेसीफरिंग दी पोटेंशियल आफ क्लाइमेट रेजिलिएंट फंक्शनल क्राप फार सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एग्रो-इंडस्ट्रीज (डीपीसीएफसी-एसएएआई-2026) विषय पर स्पार्क परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बलदेव राज कंबोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज वैश्विक चुनौती बना हुआ है।

बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और कीट-रोग समस्याएं कृषि व्यवस्था को प्रभावित कर रही हैं। मोटा अनाज, दलहन एवं पोषक तत्वों से भरपूर फसलें न केवल पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक हैं।

अधिष्ठाता डा. राजेश गेरा ने बताया कि सम्मेलन में 600 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, देश-विदेश के विज्ञानियों ने 32 लीड पेपर प्रस्तुत किए, शोधार्थियों ने 139 मौखिक प्रस्तुति दी जबकि 384 से अधिक पोस्टर प्रस्तुत किए गए। जैव रसायन विभाग की अध्यक्ष डा. जयंती टोकस ने तीन दिवसीय सम्मेलन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डा. सुनीता यादव ने सम्मेलन में हुए 11 सत्रों की तकनीकी रिपोर्ट प्रस्तुत की। मंच का संचालन डा. कनिका ने किया।

प्रतिभागी किए सम्मानित

- मौखिक प्रस्तुति में थीम-1 में दिलबाग को प्रथम, कनिका द्वितीय और विक्रम तृतीय।
- थीम-2(अ) में प्रंजय प्रथम, मंजीत द्वितीय और जगमोहन ढिल्लों व अनु तृतीय।
- थीम-2(ब) में रवि कुमार प्रथम, सन्नी द्वितीय व सत्यजीत यादव तृतीय।
- थीम-3 में पारूल प्रथम, लविना द्वितीय व सुधीर शर्मा तृतीय।
- थीम-4 में विशाल प्रथम, सविता व प्रदिप्तों द्वितीय और मनप्रीत तृतीय।
- थीम-5 में वरूण प्रथम, पवन व शालिनी द्वितीय और रेश्मा तृतीय।
- थीम-6 में राजा प्रथम, स्वाति द्वितीय व आरती तृतीय।
- थीम-7 में सृष्टि प्रथम, शुभम द्वितीय, निक्की व प्रियंका तृतीय।
- थीम-8 में हरमनजीत प्रथम, अश्विनी द्वितीय व भास्कर तृतीय।
- थीम-9(अ) में अमीषा प्रथम, कविता दुआ द्वितीय व रवीना तृतीय।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	28-2-24	04	2-4

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए आपसी सहयोग जरूरी: प्रो. काम्बोज

स्पार्क परियोजना के अंतर्गत आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ समापन

मुख्य अतिथि प्रो. बलदेव राज काम्बोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

हिसार, 27 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में डेसीफरिंग दी पोटेंशियल ऑफ क्लाइमेट रेजिलिएंट फंक्शनल क्रॉप फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एग्रो-इंडस्ट्रीज विषय पर स्पार्क परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि जलवायु परिवर्तन आज वैश्विक चुनौती बना हुआ है। बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और कीट-रोग समस्याएं कृषि व्यवस्था को प्रभावित कर रही हैं। ऐसी परिस्थितियों में जलवायु-सहनशील फसल किस्मों का विकास अनिवार्य हो गया है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी स्थिर उत्पादन दे सके। उन्होंने कहा कि मोटा अनाज, दलहन एवं पोषक तत्वों से भरपूर फसलें न केवल पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक हैं। इन फसलों का प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन कृषि आधारित उद्योगों को नई ऊर्जा प्रदान करता है। आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी, उन्नत बीज विकास तथा वैज्ञानिक अनुसंधान इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। सम्मेलन के तकनीकी सत्र के दौरान विभिन्न प्रख्यात वैज्ञानिकों ने जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं से निपटने के लिए अपने सुझाव एवं व्याख्यान प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में 600 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, देश-विदेश के वैज्ञानिकों ने 32 लीड पेपर प्रस्तुत किए, शोधार्थियों ने 139 मौखिक प्रस्तुति दी जबकि 384 से अधिक पोस्टर प्रस्तुत किए गए। जैव रसायन विभाग की अध्यक्ष डॉ. जयंती टोकस ने तीन दिवसीय सम्मेलन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुनीता यादव ने सम्मेलन में हुए 11 सत्रों की तकनीकी रिपोर्ट प्रस्तुत की। मंच का संचालन डॉ. कनिका ने किया।

सम्मेलन में विभिन्न सत्रों में मौखिक एवं पोस्टर मेकिंग में बेहतर प्रस्तुति करने वालों को सम्मानित किया गया। मौखिक प्रस्तुति में थीम 1 में दिलबाग को प्रथम, कनिका को द्वितीय एवं विक्रम को तृतीय स्थान मिला। थीम 2(अ) में प्रंजय को प्रथम, मंजीत को द्वितीय एवं जगमोहन ढिल्लों व अनु को तृतीय स्थान मिला। थीम 2 (ब) में रवि कुमार को प्रथम, सन्नी को द्वितीय एवं सत्यजीत यादव को तीसरा स्थान मिला। थीम 3 में पारूल को प्रथम, लविना को द्वितीय एवं सुधीर शर्मा को तीसरा स्थान मिला। थीम 4 में विशाल को प्रथम, सविता एवं प्रदिप्तों को द्वितीय एवं मनप्रीत को तृतीय स्थान मिला। थीम 5 में वरूण को प्रथम, पवन एवं शालिनी को द्वितीय तथा रेश्मा को तीसरा स्थान मिला। थीम 6 में राजा को प्रथम, स्वाति को द्वितीय एवं आरती को तीसरा स्थान मिला। थीम 7 में सृष्टि को प्रथम, शुभम को द्वितीय, निक्की एवं प्रियंका को तीसरा स्थान मिला। थीम 8 में हरमनजीत को प्रथम, अश्विनी को द्वितीय, भास्कर को तृतीय स्थान मिला। थीम 9 (अ) में अमीषा को प्रथम, कविता दुआ को द्वितीय तथा रवीना को तृतीय स्थान मिला। थीम 9 (ब) में जानकी को प्रथम, मनीषा को द्वितीय, निधि को तृतीय स्थान मिला। थीम 10 में काजल को प्रथम, यशवंत को द्वितीय तथा भावना को तीसरा स्थान मिला। थीम 11 में सादिल को प्रथम, रूशाली को द्वितीय तथा प्रीति और अनुराग को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	28-2-26	12	06

जलवायु परिवर्तन आज वैश्विक चुनौती बना: प्रो. काम्बोज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में डेसीफरिंग दी पोटेंशियल ऑफ क्लाइमेट रेजिलिएंट फंक्शनल क्रॉप फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एग्रो-इंडस्ट्रीज (डीपीसीएफसी-एसएएआई-2026)' विषय पर स्पार्क परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अपने समापन अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा कि जलवायु परिवर्तन आज वैश्विक चुनौती बना हुआ है। बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और कीट-रोग समस्याएं कृषि व्यवस्था को प्रभावित कर रही हैं। ऐसी परिस्थितियों में जलवायु-सहनशील फसल किस्मों का विकास अनिवार्य हो गया है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी स्थिर उत्पादन दे सके। उन्होंने कहा की मोटा अनाज, दलहन एवं पोषक तत्वों से भरपूर फसलें न केवल पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक हैं। इन फसलों का प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन कृषि आधारित उद्योगों को नई ऊर्जा प्रदान करता है। आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी, उन्नत बीज विकास तथा वैज्ञानिक अनुसंधान इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	28-2-26	02	3-4

लाडवा में कृषि विकास मेला आज, प्रगतिशील किसान होंगे सम्मानित

हिसार | एचएयू की ओर से 28 फरवरी से 1 मार्च तक दो दिवसीय कृषि विकास मेला अनाज मंडी लाडवा (कुरुक्षेत्र) में आयोजित किया जाएगा। मेले का शुभारंभ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि करेंगे, जबकि कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

मेले में हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान, दिल्ली, हिमाचल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से हजारों किसान भाग लेते हैं। मेले में हर जिले से एक महिला और एक पुरुष प्रगतिशील किसान को सम्मानित किया जाएगा। इनमें करनाल के ईलम सिंह व काजल, मीरपुर कौराली की इंदिरा देवी व रमेश कुमार, हिसार के रामेश्वर दास व रेखा, भिवानी के भवरजीत व मुन्नी बाई, यमुनानगर की रजनी व बेअंत सिंह, पानीपत के प्रीतम सिंह व पुष्पा देवी, महेंद्रगढ़ के योगेंद्र कुमार व नीतू यादव, जींद की निर्मला व सुभाष चंद, कैथल के प्रदीप व पूजा, सोनीपत के सैशन कुमार व सोनिया, कुरुक्षेत्र की मनदीप कौर व प्रेम पाल सिंह सहित अन्य जिलों के किसान शामिल हैं।